पाठ 3. सच्चा बालक

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में निर्णय-क्षमता संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे महत्वपूर्ण मुद्दों को समझकर उनसे रचनात्मक रूप से निपटने में सक्षम हो सकें। गोपालकृष्ण गोखले के बचपन से जुड़ी एक घटना का वर्णन इस पाठ में किया गया है और बताया गया है कि हमेशा सच बोलना चाहिए, भले ही कितनी मुसीबत क्यों न आ जाए।

पाठ का सार

गणित के अध्यापक ने एक प्रश्न घर से हल करके लाने के लिए सब बच्चों से कहा था। कॉपी जाँचने पर पता चला कि गोपाल के अलावा सबका उत्तर गलत था। मगर प्रशंसा सुनने के बाद भी गोपाल रोने लगा। गोपाल ने अध्यापक महोदय को सच-सच बता दिया कि उत्तर उसके भाई ने लिखा है। अध्यापक महोदय ने गोपाल को गले से लगा लिया। आगे चलकर यही गोपाल महान नेता बने तथा देश को आज़ाद कराने में अहम भूमिका निभाई। गोपालकृष्ण गोखले हमारे लिए हमेशा पूजनीय रहेंगे।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  इस पाठ में गोपालकृष्ण गोखले के बचपन से जुड़ी एक घटना का वर्णन है। गोपालकृष्ण गोखले का संक्षिप्त परिचय दें। उनके व्यक्तित्व व स्वभाव के बारे में पाठ से मिलने वाली शिक्षा पर बल दें। कई बच्चों की आदत होती है कि अपने माता-पिता या किसी बड़े से ही गृहकार्य पूरा करवा लेते हैं। उन्हें प्रेरित करें कि गृहकार्य में सहायता लेना ठीक है पर दूसरों से पूरा करवाना उचित नहीं है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - संयुक्ताक्षर के बारे में बच्चों को बताएँ। संयुक्ताक्षर में घुंडी वाले और खड़ी पाई वाले वर्णों का आधा रूप किस प्रकार लिखा जाता है, यह समझाएँ। टवर्ग और तवर्ग के वर्णों से बने शब्दों में कब हल चिह्न लगता है, यह बताएँ। र-रेफ़ (र्‍) व र-पदेन (्र, ‍्र) से बने संयुक्ताक्षरों की ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - भारत की आज़ादी में गोपालकृष्ण गोखले का योगदान क्या रहा था, यह बताएँ। बच्चों को स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित कहानियाँ पढ़ने के लिए प्रेरित करें।